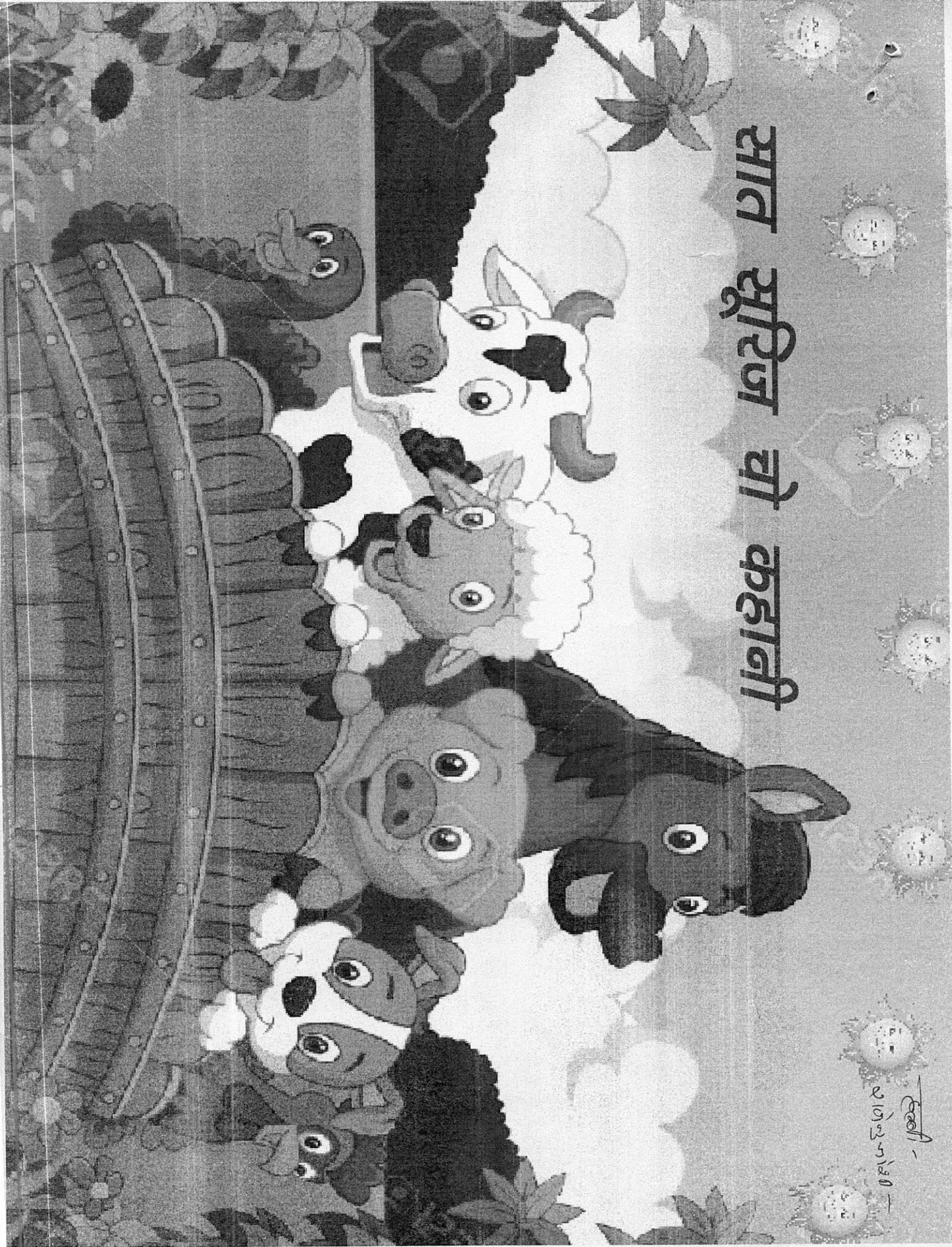


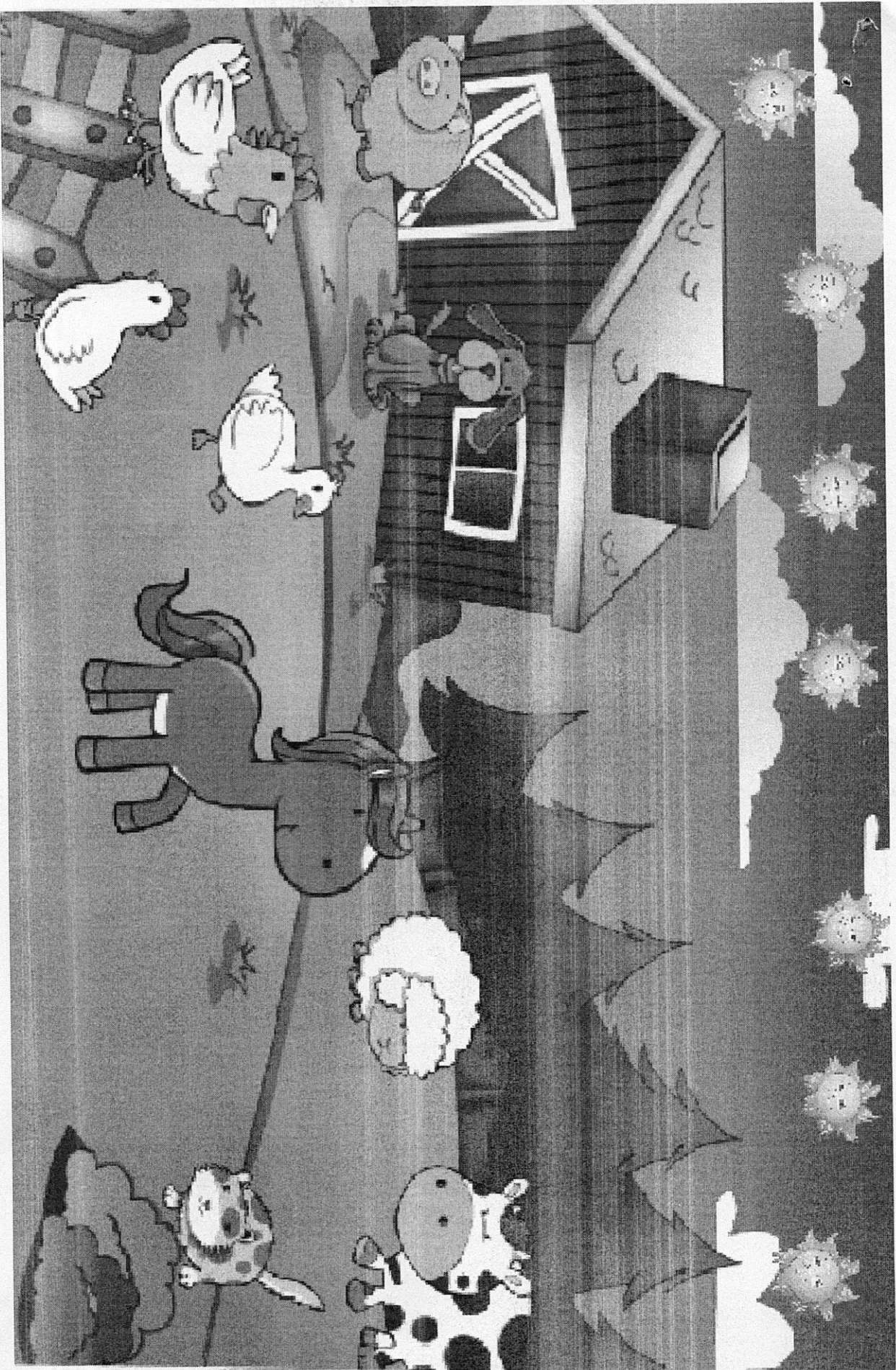
सात झूटिज चो कहानी



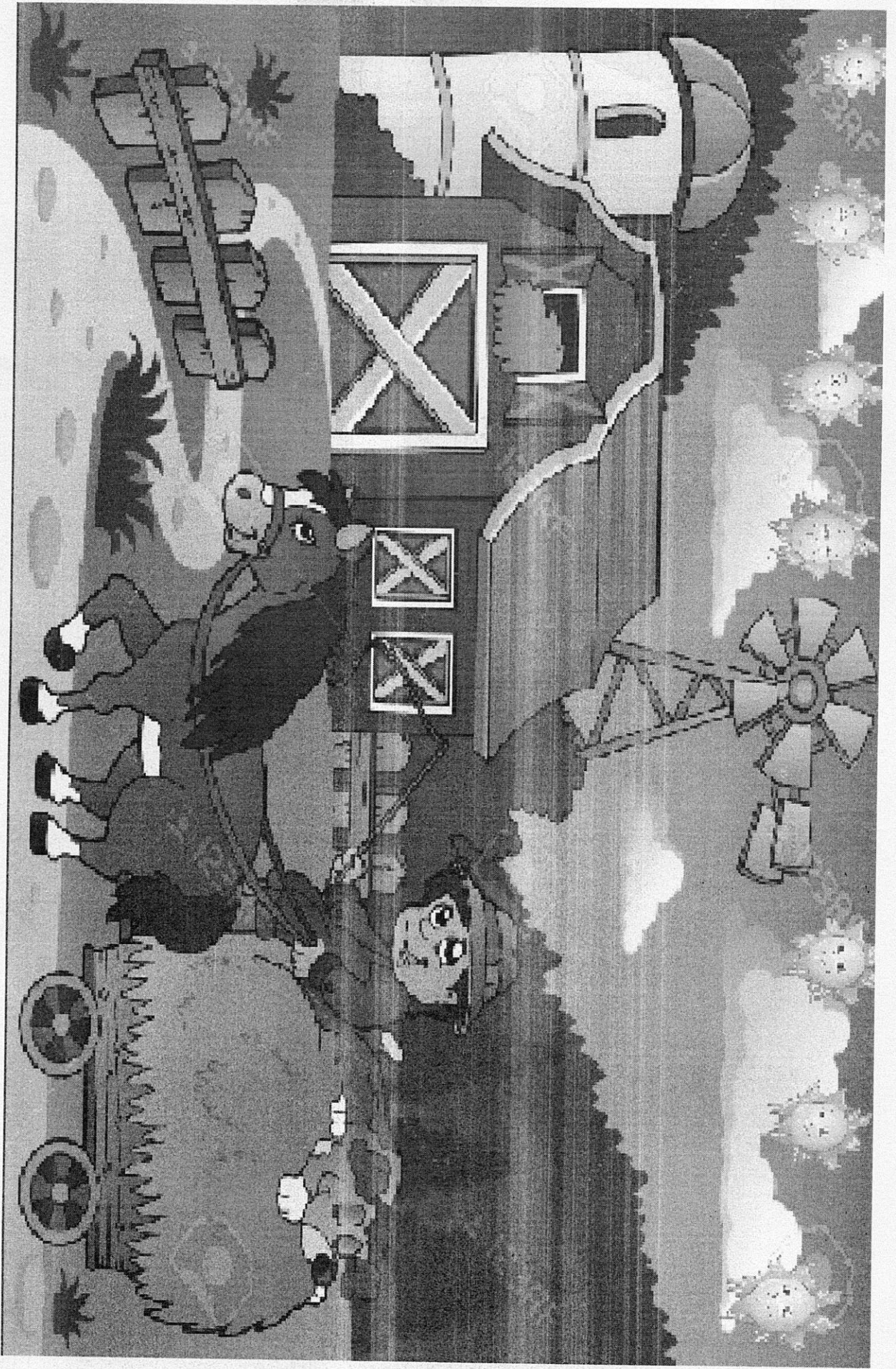
कल्पि -
२०१२-२०१३



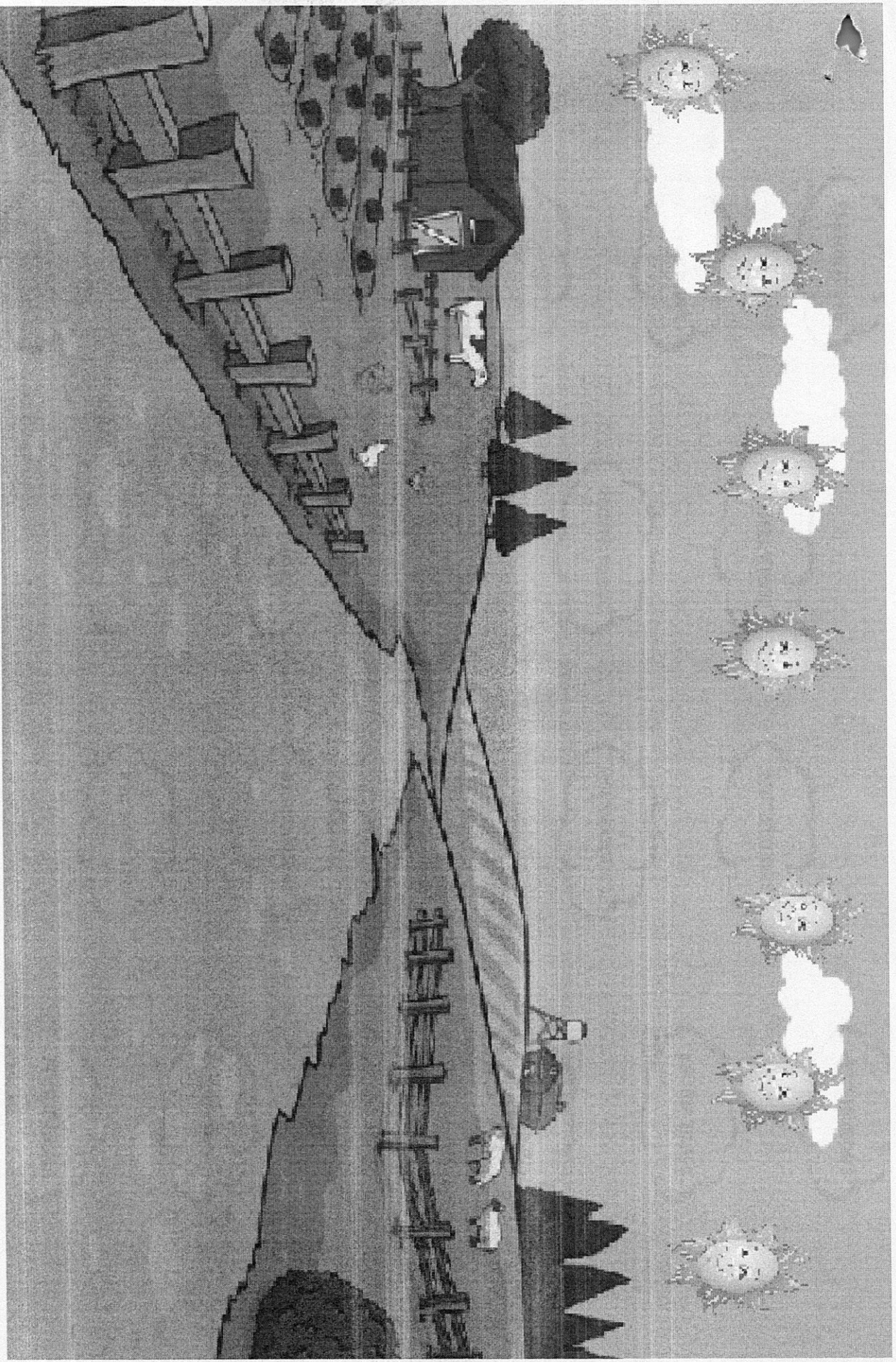
गोटक गोठ आय आगे जुग ने सरग ने सात ठन सूरिज
रत्ना ।



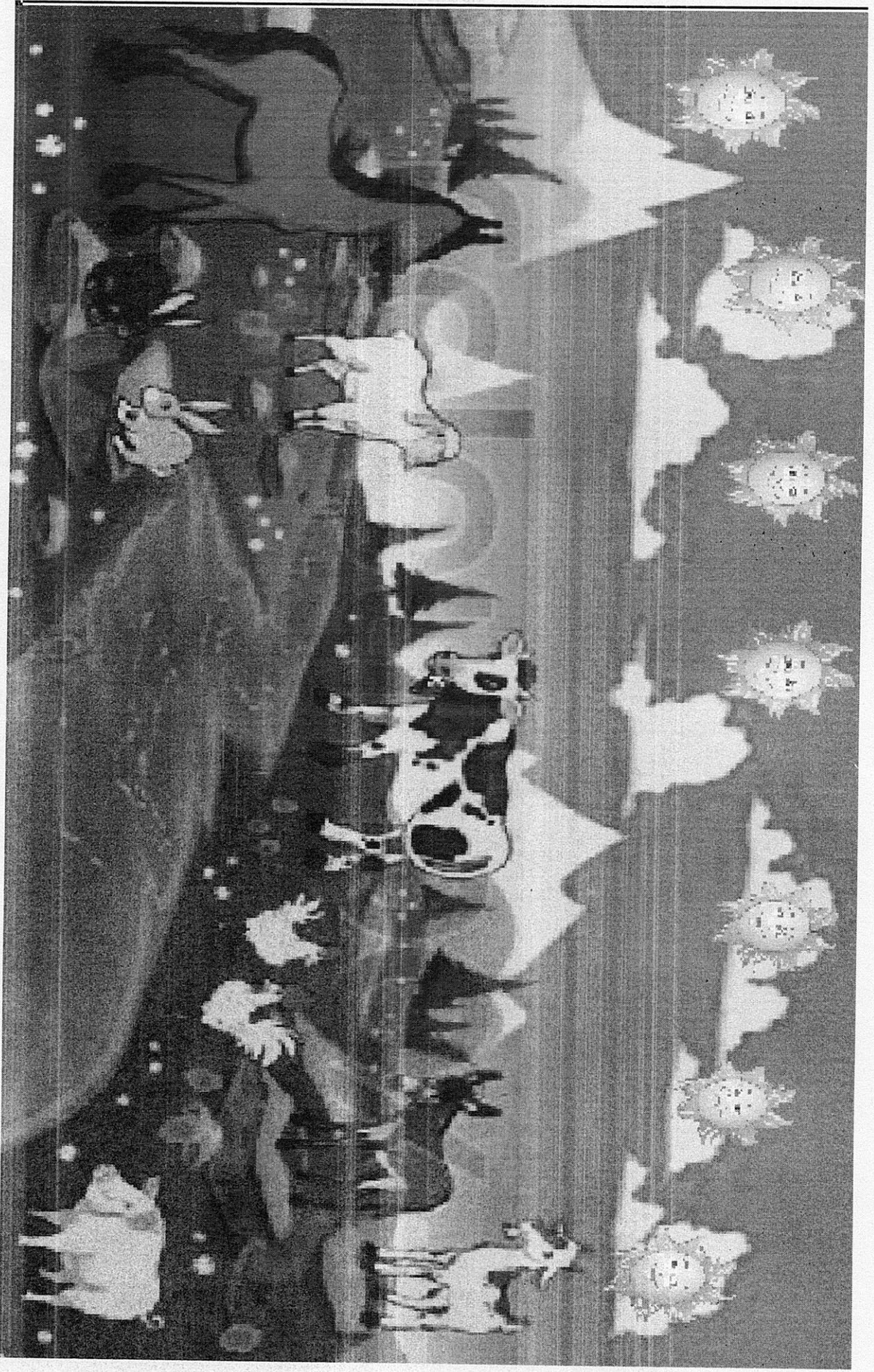
२ सात सूरज चो उजयारी सबके मन के भार ।



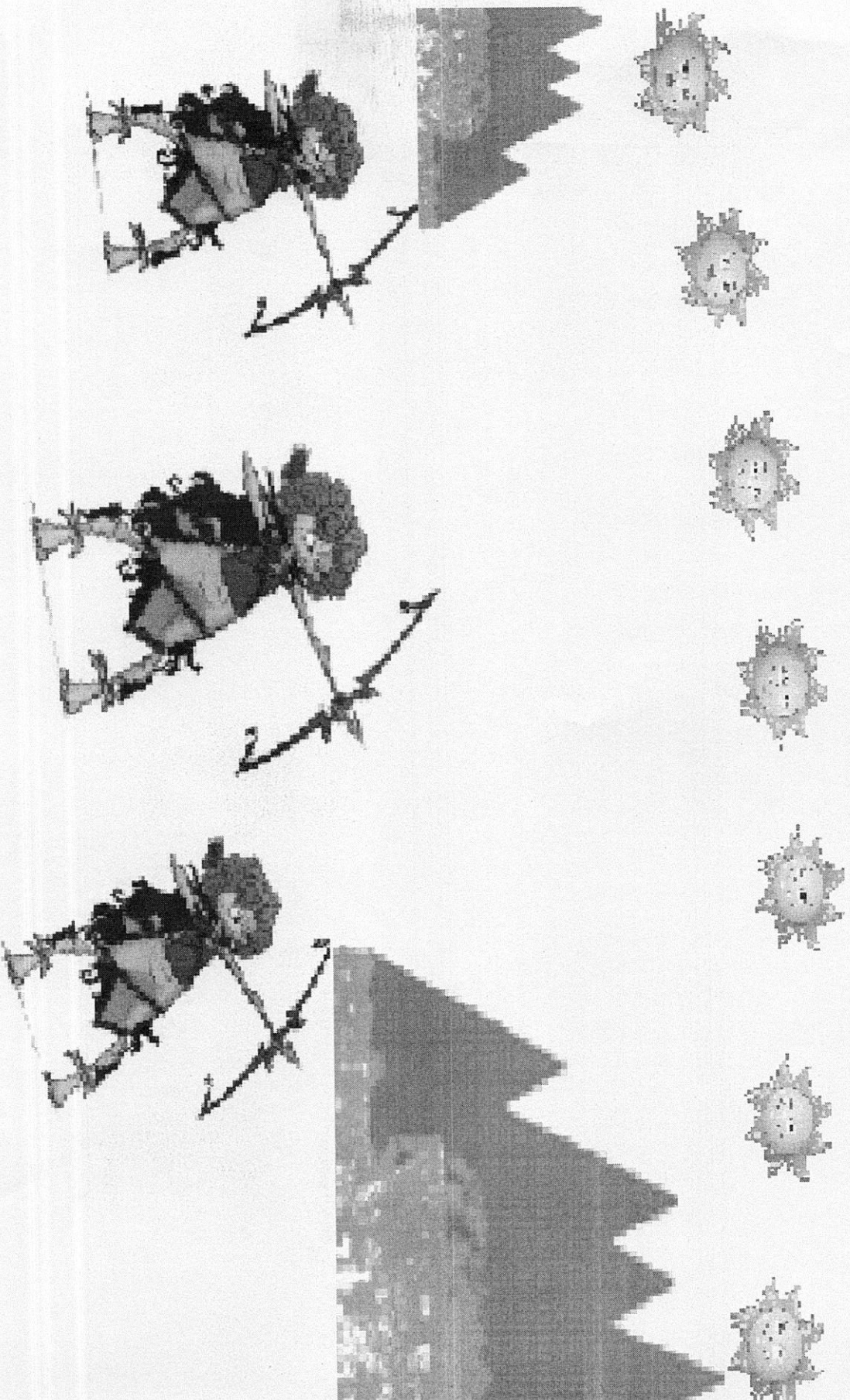
वकावक उजयारी शरुपट काम



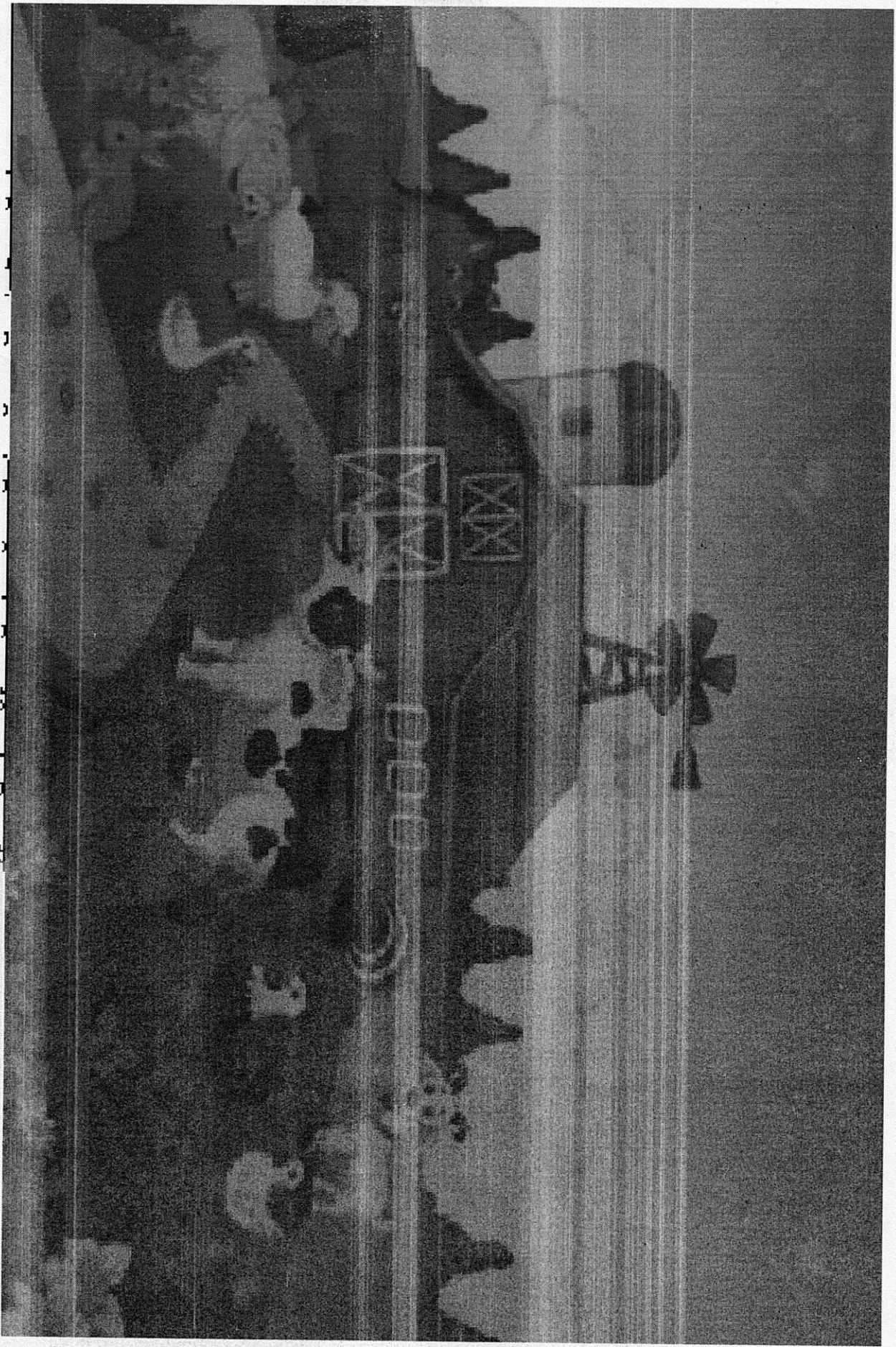
कपड़ा, धान सबू चीज डंडिक मे सुखे । लोग खुबे हरिक
रहोत ।



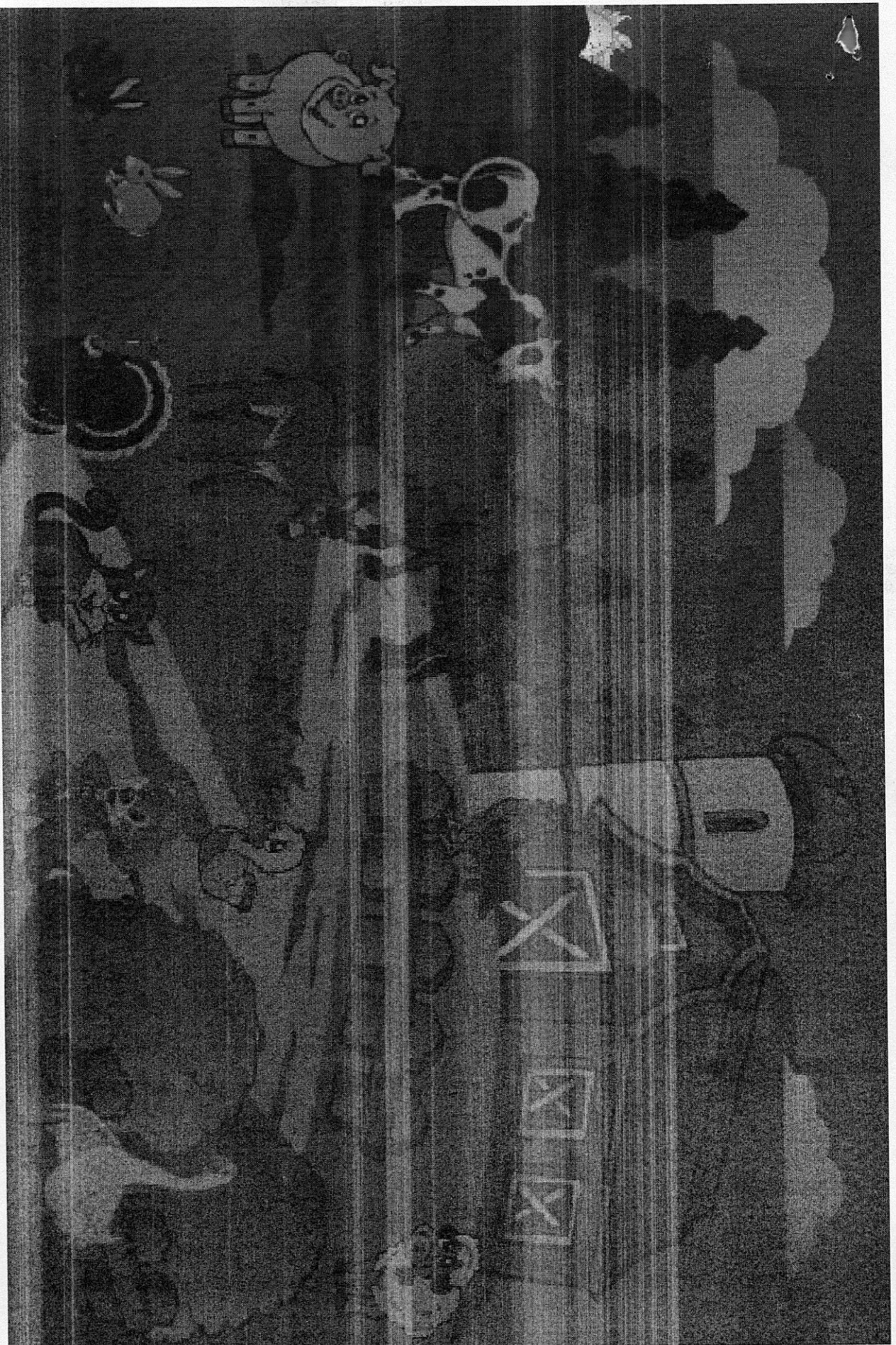
④ भान्तर मौसम बदलती घाम दिन इली । सबके दंड होली,
सबू परेशान होला ।



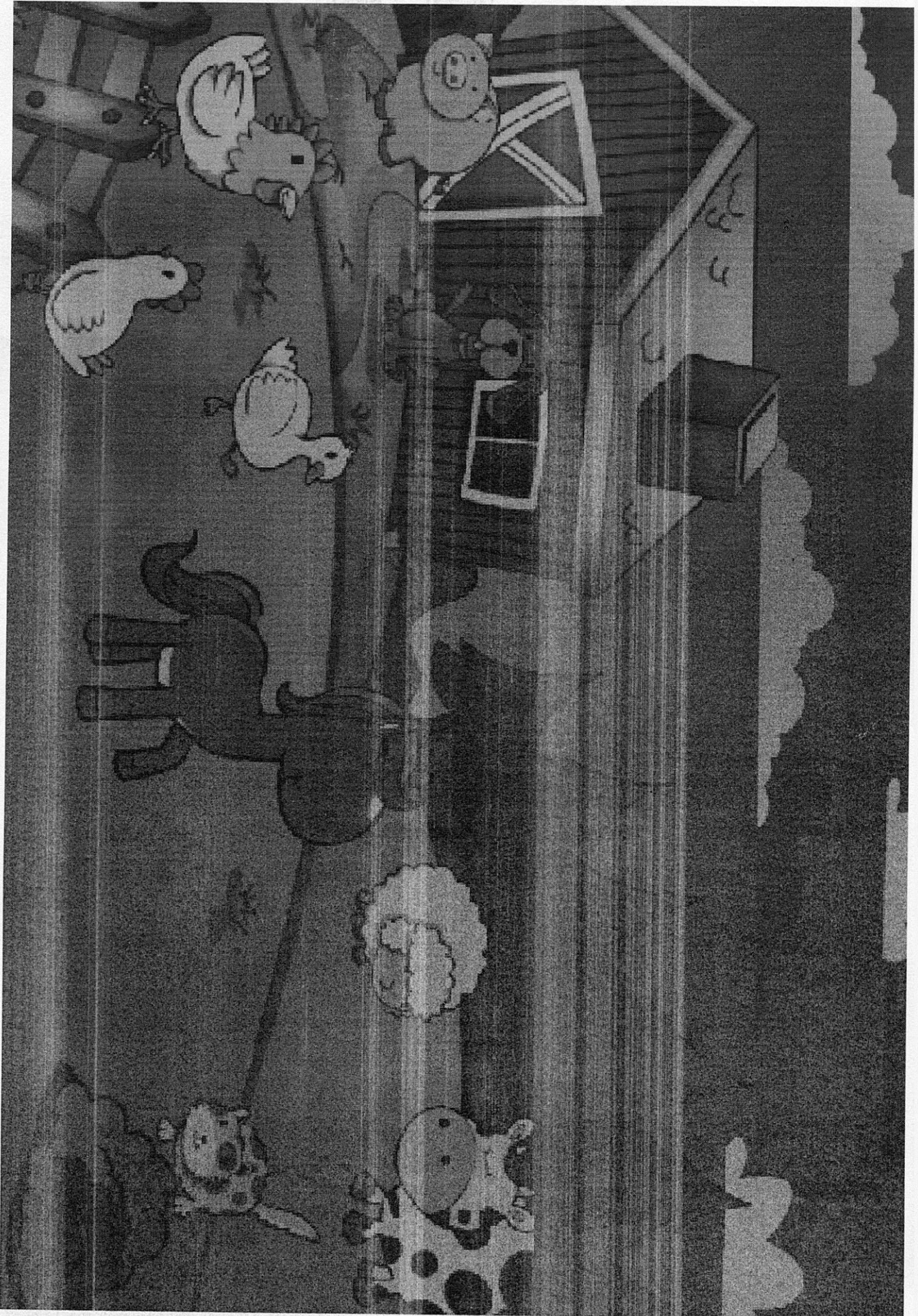
सबू ज्ञान विचार करला आअर तीर धनूष धरून सब सूरिज
के मारून दिला ।



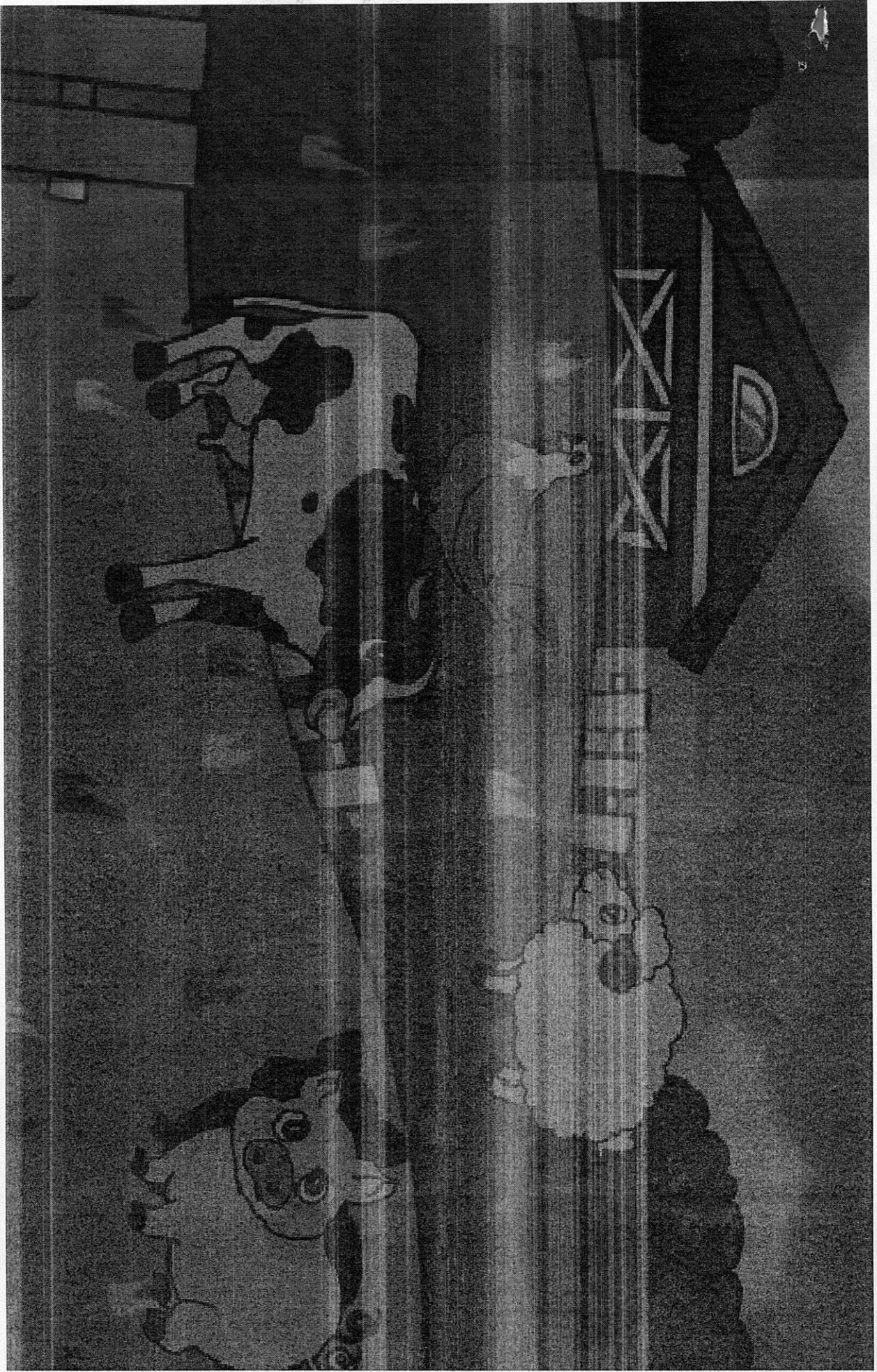
फेर पाछे अंधयारी होली । लोग के फेर पछताव होली ।



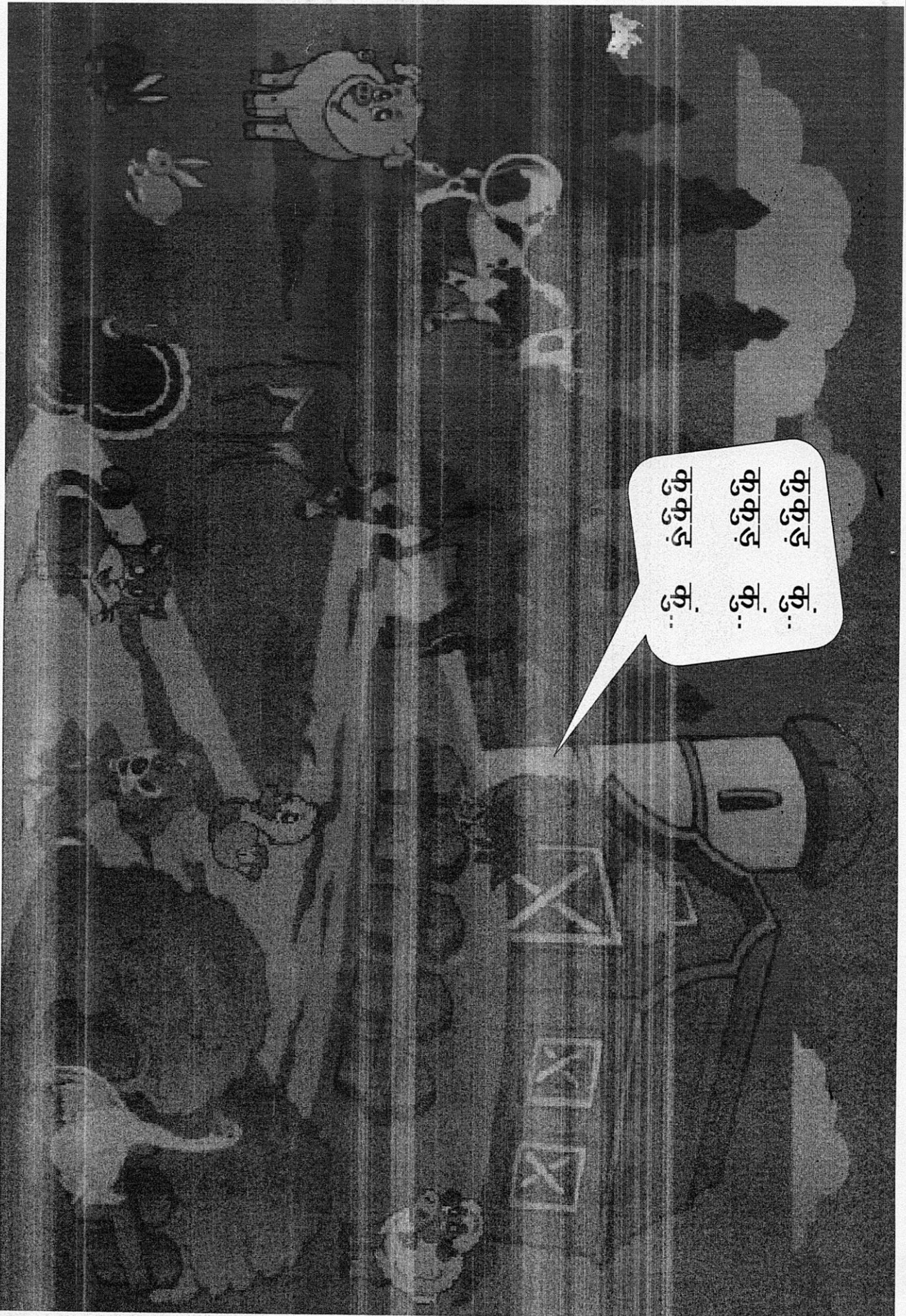
तेबे एक कुकड़ा बल्लो कि गोटक सूरिज आसे जोन
डोंगरी खाले लुकली से ।



⑧ हुनके हाक पाढ़तोर आय । कौन हाक पाढ़ आय ?



कुकड़ा बल्लो भै हाग दयंदे.....



कु कु कु कु..... चीन हार हाग पाड़तो



के सूरिज निकरली सब लोग हरिक होला,



आरू पूजा करला हुनी दिन ले सराग ने गोटक सूरिज
आसे अऊर हुनचो पूजा होयसे ।